

**B.A. (Programme) / I G-I**

**HINDI LANGUAGE (A)— Paper I**

**हिंदी भाषा (क)— प्रश्नपत्र I**

(A-135)

**Time : 3 hours**

**Maximum Marks : 100**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

**सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।**

1. निम्नलिखित अनुच्छेद आपके पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठों से लिए गए हैं। किन्हीं दो अनुच्छेदों के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 15+15

(क) स्थान-विशेष की जलवायु तथा वातावरण के अनुरूप एक जाति रंग-रूप और स्वभाव में दूसरी से भिन्न रही है और प्रत्येक में अपनी विशेषताओं की रक्षा के लिए स्वभावगत प्रेरणा की प्रचुर मात्रा रहती है। आत्मरक्षा के अतिरिक्त उन्हें अपनी जातिगत विशेषताओं की चिन्ता भी थी, अतः उनमें व्यवहार के लिए ऐसे विशेष नियम भी बनने लगे, जिनका पालन व्यक्ति की आत्मरक्षा के लिए न होकर जाति की विशेषताओं की रक्षा के लिए अनिवार्य था। आत्मरक्षा की भावना के साथ-साथ मनुष्य में जाति की विशेषताओं की रक्षा की भावना भी बढ़ती गई जिससे उसके जीवन-संबंधी नियम विस्तृत और जटिल होने लगे। समूह द्वारा निश्चित नियम-संबंधी समझौते के विरुद्ध आचरण

P. T. O.

करने वाले को दण्ड मिलने का विधान था, परंतु इस विधान द्वारा, छिपाकर विरुद्धाचरण करने वालों को नहीं रोका जा सकता था।

- (i) उपर्युक्त अनुच्छेद किस पाठ से लिया गया है? पाठ के लेखक का नाम लिखिए।
  - (ii) एक जाति रंग-रूप और स्वभाव में एक-दूसरे से भिन्न क्यों रही है?
  - (iii) “आत्म-रक्षा की भावना” का अभिप्राय स्पष्ट कीजिए।
  - (iv) मनुष्य के जीवन-संबंधी नियम विस्तृत और जटिल क्यों होने लगे?
  - (v) किस समझौते के विरुद्ध आचरण करने वाले को दण्ड मिलने का विधान था?
- (ख) पचास साल के बाद का भारत कृषि और औद्योगिक क्रांति से उभरा हुआ भारत है, जो अपने औपनिवेशिक चोले को मूल रूप से त्याग चुका है। यह ‘साहब, बाबू और चपरासी’ वाले परजीवी मध्यम वर्ग का भारत नहीं है। यह तो विकासशील कृषि और उद्योगों से जुड़े, विज्ञान और टेक्नोलॉजी के ज्ञान और दक्षता के वाहक एक आर्थिक आत्मनिर्भरता, उत्पादकता, उद्यमशीलता, जोखिम उठाने की क्षमता आदि नए मूल्यों और मानकों के प्रतिनिधि नए मध्यम वर्ग का भारत है, जिसने भारत का मस्तक पूरे विश्व में ऊँचा किया है। भारत में नए-नए पेशों, व्यवसाय, दक्षता और प्रवीणता के बहुआयामी प्रसार और विविधता ने इस नव-मध्यम वर्ग को नया चरित्र, नया विस्तार और गहराई प्रदान की है।

- (i) उपर्युक्त अनुच्छेद के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।
  - (ii) "औपनिवेशिक चोले" का अर्थ स्पष्ट कीजिए।
  - (iii) लेखक ने परजीवी मध्यम वर्ग किसे और क्यों कहा है?
  - (iv) नया मध्यम वर्ग किन मूल्यों का प्रतिनिधि है?
  - (v) अनुच्छेद में प्रयुक्त इनमें से किन्हीं दो पारिभाषिक शब्दों के अर्थ लिखिए: औद्योगिक क्रांति, विकासशील, टेक्नोलॉजी।
- (ग) दरअसल हर क्षेत्र में ऐसे साहस की जरूरत है, खासकर विकासशील देशों को। यदि वे अपनी आपसी टूट-फूट में उलझे रहे तो एक दिन निश्चित मारे जाएंगे। विकासशील देशों के बीच आर्थिक, सामरिक और सूचना-सम्बंधी गठ-जोड़ ही नहीं, बल्कि प्रतिरोध और विरोध की भी एक संगठित आवाज़ का होना आज की सबसे बड़ी ज़रूरत है। इराक को उसके अकेलेपन ने मारा है। और आक्रामक पहले अपने राजनय का उपयोग उस देश को अकेला करने में करता है। विकासोन्मुख देश मानें कि हम 'परस्पर' अस्तित्व हैं। हाँ, इस मिलन के लिए थोड़ा भय और थोड़ी ईर्ष्या छोड़नी होगी।
- (i) उपर्युक्त अनुच्छेद के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।
  - (ii) आज की सबसे बड़ी ज़रूरत क्या है?
  - (iii) "विकासोन्मुख देश मानें कि हम 'परस्पर' अस्तित्व हैं।" इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।
  - (iv) विकासोन्मुख देशों को विनाश से बचने के लिए क्या छोड़ना होगा?

P. T. O.

- (v) विलोम शब्द लिखिए: साहस, निश्चित, विरोध, संगठित।

2. निम्नलिखित अनुच्छेद का विश्लेषण करते हुए इसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

क्यों नारी को नारी का शत्रु मानने का ही इतना गला-फाड़ प्रचार होता है, जबकि कसौटी महायुद्ध हों, या कि अदालती मुकदमेबाज़ी या फिर (हर देश के) साहित्य में पिता-पुत्र संबंधों की अभिव्यक्ति, जितनी तलख-कड़वी और मारक टकराहटें वहाँ हमें अनादिकाल से पुरुषों के बीच में होती दीखती हैं, और किसी के बीच नहीं। फिर दो मनुष्यों के बीच का टकराव जितना उनके व्यक्तित्व पर निर्भर नहीं करता, उतना करता है उनकी स्थिति पर। जेलों के कैदियों के बीच, जंजीर से बंधे पालतू कुत्तों के बीच, मालिक के अनुशासन-तले पशुवत् जीवन बिताते बंधुआ मजूरों के बीच भी परस्पर तीखी घृणा तथा हिंसा का प्रदर्शन आम है। उनके द्वेष दूसरे के प्रति आक्रोश से नहीं, खुद अपने प्रति, अपनी पराश्रयी हीन स्थिति के प्रति एक उत्कट आत्मघृणा से उपजते हैं। पराधीन जो भी होगा उसे चूँकि सपनेहुँ सुख नहीं मिलेगा, अतः वह दूसरे को भी सुख क्यों देना चाहेगा? नारी को नारी से अलग करने-भर से परिवारों में हिंसा और घृणा की प्रवृत्तियाँ नहीं मिटी हैं। मिटी हैं तो स्त्रियों की पराधीनता घटाने से।

- (i) उक्त अनुच्छेद का केंद्रीय विचार क्या है? 3
- (ii) लेखिका ने पुरुष-वर्ग की टकराहटों के क्या उदाहरण दिए हैं? 3
- (iii) परिवारों में हिंसा और घृणा की प्रवृत्तियाँ कैसे मिट सकती हैं? 4

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं पाँच के उत्तर पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठों के आधार पर दीजिए: 15

- (i) 'क्रांति' के विषय में लेखिका का क्या विचार है ?  
(समाज और व्यक्ति)
- (ii) "उपनिवेशवाद जातीयता और संस्कृति के तर्क पर आधारित नहीं था।" इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।  
(अस्मिताओं का संघर्ष)
- (iii) लेखक ने सरस्वती नदी के विषय में क्या भाव व्यक्त किए हैं ?  
(भाषा बहता नीर)
- (iv) 'बाजारवाद' का अर्थ स्पष्ट करते हुए उससे उपजने वाली विकृतियों की चर्चा कीजिए।  
(बदलता भारतीय समाज : बहुआयामी दृष्टि)
- (v) "कुछ लोगों की जीवन-कहानी में बँटवारे का अध्याय अभी तक खत्म नहीं हुआ था।" इस कथन का संदर्भ स्पष्ट कीजिए।  
(आज के अतीत)
- (vi) "अत्याचार कहीं भी हो, निंदनीय है।" इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।  
(शक्ति का केंद्रीकरण)
- (vii) आधुनिकता के साथ मनुष्य के प्रति हमारे दृष्टिकोण में क्या बदलाव आया है ?  
(हँसो, हँसो, जल्दी हँसो)
- (viii) 'घरनी घर से निकली कि घर उजड़ा।' इस कथन की सार्थकता सिद्ध कीजिए।  
(भित्र से संलाप)
4. 'सूरज का सातवाँ घोड़ा' पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं पाँच के उत्तर दीजिए:

15

- (i) जमुना का तन्ना से विवाह क्यों नहीं हो पाया ?
- (ii) चमन ठाकुर के चरित्र की किन्हीं दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

P. T. O.

- (iii) माणिक मुल्ला ने लिली की तुलना 'स्कन्दगुप्त' की देवसेना के साथ क्यों की है?
- (iv) तन्ना को घर में कौन-से काम करने पड़ते थे?
- (v) माणिक मुल्ला के अनुसार सत्ती को बुरी लड़की क्यों नहीं कहा जा सकता?
- (vi) सूर्य का सातवाँ घोड़ा कैसा है और किसका प्रतीक है?
- (vii) रामधन ने जमुना को सभी कामनाएँ पूरी करने के लिए क्या उपाय बताया?

#### अथवा

'यात्राएँ' के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं पाँच के उत्तर दीजिए:

- (i) 'बाँज' नामक वृक्ष किस उद्योग के लिए महत्वपूर्ण है?
- (ii) 'त्रिपिटक' में किस महापुरुष के वचन संग्रहीत हुए हैं?
- (iii) घरों के आगे झण्डे फहराने की परम्परा किस देश में है?
- (iv) सीयन शहर का सम्बन्ध किस प्रसिद्ध साहित्यकार से है?
- (v) 'मारीशस का कश्मीर' किस स्थान को कहा जाता है और क्यों?
- (vi) 'प्राचीन मंदिरों का तीर्थ' किसे कहा गया है?
- (vii) प्रसिद्ध फ्रांसीसी उपन्यास 'पाल और वर्जिनी' किस द्वीप के जनजीवन पर आधारित है?

5. किसी एक विषय पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए:

10

- (i) जल संरक्षण
- (ii) प्रकृति और आज का मानव

(iii) 'रोड रेज' : एक जानलेवा समस्या ।

6. नीचे दिए गए संवादों को कहानी में रूपांतरित कीजिए: 6

बनवीर : दूर हट दासी ! यह नाटक बहुत देख चुका हूँ ! उदय सिंह की हत्या ही तो मेरे राजसिंहासन की सीढ़ी है । जब तक वह जीवित है तब तक सिंहासन मेरा नहीं होगा । तू मेरे सामने से हट जा !

पन्ना : मैं नहीं हटूँगी ! अपने कुँवर की शय्या से दूर नहीं हटूँगी ।

बनवीर : उदय सिंह को सुला दिया है, जिससे उसे मरने का कष्ट न हो । उसका मुख ढँक दिया है । वाह री धाय माँ ! बालक के मरने में भी ममता का ध्यान रखती है । (तीव्रता से) शय्या से दूर हट, पन्ना ! मैं उसे चिर निद्रा में सुला दूँ ।

पन्ना : (साहस से) नहीं, ऐसा नहीं होगा, क्रूर, नराधम, नारकी ! ले मेरी कटार का प्रसाद ले । (आक्रमण करती है, उसकी चोट बनवीर की ढाल पर सुन पड़ती है ।)

बनवीर : (क्रूर अट्टहास करता है) ह ह ह ह ! दासी क्षत्राणी ! कर लिया कटार का वार ? अब तुझे भी समाप्त कर दूँ ? लेकिन स्त्री पर हाथ नहीं उठाऊँगा ।

पन्ना : अबोध सोते हुए बालक पर हाथ उठाते हुए तेरा हृदय तुझे नहीं धिक्कारता है ? पापी !

बनवीर : (शय्या के समीप जाकर) यही है ! यही है मेरे मार्ग का कंटक । आज मेरे नगर में स्त्रियों ने दीपदान किया है । मैं भी यमराज को इस दीपक का दान

P. T. O.

करूँगा। यमराज ! लो इस दीपक को। यह मेरा दीपदान है। (उदय के धोखे में चंदन पर जोर से तलवार का प्रहार करता है। पन्ना जोर से चीख कर मूर्च्छित हो जाती है। कमरे में मंद लौ से दीपक जलता रहता है।)

7. (क) 'कोश' की परिभाषा देते हुए द्वि-भाषी शब्दकोश की विशेषताएँ लिखिए। 5

(ख) निम्नलिखित शब्दों को वर्णक्रमानुसार लिखिए:

अत्यंत, सरोज, कारण, वंश, तीक्ष्ण, उज्ज्वल, शीशम, पूर्ण।

अथवा

निम्नलिखित पारिभाषिक शब्दों में से किन्हीं दो का अर्थ स्पष्ट कीजिए:

संविधान, सभ्यता, नारीवाद, हरित क्रांति, मध्य वर्ग। 5

8. निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं चार का पद-क्रम व्यवस्थित कीजिए: 4

(i) पढ़ने लगे लगाकर मन श्री चन्द्रशेखर व्याकरण संस्कृत।

(ii) धन-वैभव परिश्रम प्राप्त होता है करने वालों को।

(iii) फूले न समाये माता-पिता लौटने पर घर पुत्र के खुशी से।

(iv) है आवश्यक के लिए विद्या साधना कठोर।

(v) वाणी का दिया है ईश्वर ने वरदान मनुष्य को।

(vi) उलझकर आपसे मैं समय अपना नहीं चाहता करना नष्ट।

(vii) रही है फैल बीमारियाँ बहुत-सी प्रदूषण से।

(viii) विवेकानंद स्वामी ने एक नहीं तीन की यात्राएँ यहाँ की।